870
1-6-18
शुक्रवार

आत्मा

"अंहकारी व्यकती" का
जब अंहकार टुटता
है, तो वह आत्मग्लानी
मे चला जाता है,

बाबास्वामी
1/6/18

871

2-6-18

शनिवार

❀ आत्मा ❀

अंहकार और आत्मग्लानि
दोनो ही अती के दो
"सिरे" है, इस लीये सदैव
मध्य मे रहे

बाबास्वामी
2/6/18

872

3-6-18

रविवार

ꕥ आत्मा ꕥ

अंहकार और आत्मग्लानि
दोनों ही शरीर "भाव"
की ही अति है।

बाबास्वामी
3/6/18

873

4-6-18

सोमवार

आत्मा

सिद्ध सद्गुरु के सानिध्य मे शरीर भाव स्वंयम ही "छुट" जाता है।

बाबास्वामी
4/6/18

874

5-6-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

सिद्ध सद्गुरु साधक को "कुछ" भी करने को नहीं कहता है।

बाबास्वामी
5/6/18

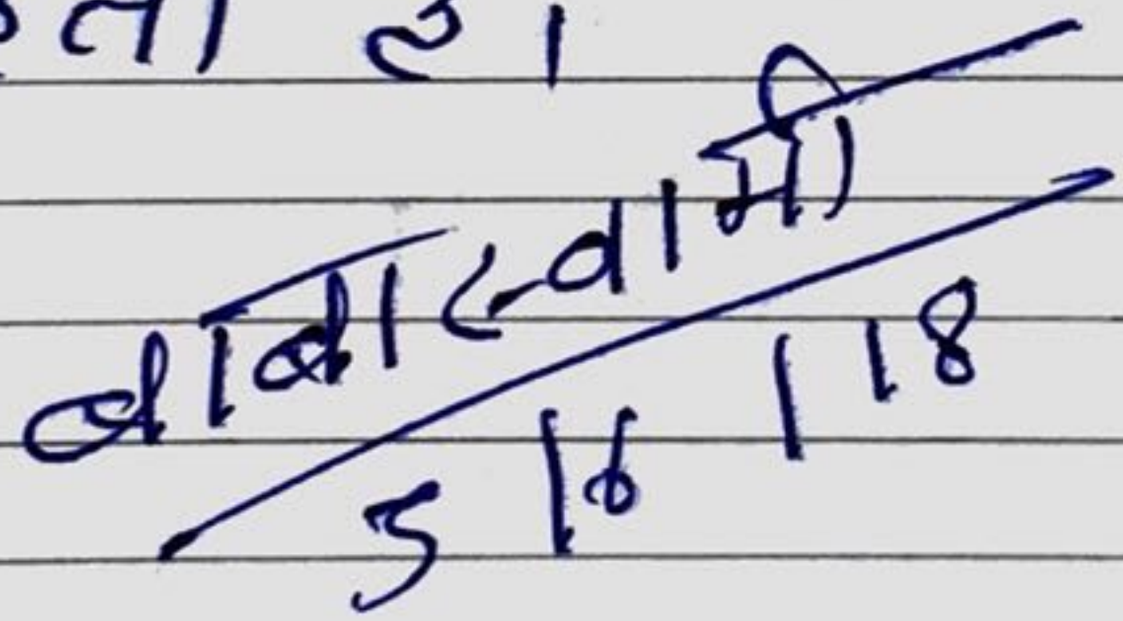

875

6.6.18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

सिद्ध सदगुरु स्वंयम भी कुछ नही करता उसके सानिध्य मे हो सब कुछ "हो जाता" है।

बाबास्वामी
6/6/18

876

7-6-18

गुरुवार

आत्मा

"सिद्ध सद्गुरु" कुछ भी करने के परे होता है, पर सब उसके सानिध्य मे हो जाता है,

बाबास्वामी
7/6/18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

सिद्ध सद्गुरु के सानीध्य
मे जो कुछ होता है,
वह एक "अनुभूती" है,
जो बताने के भी परे
है।

स्वामी
8/6/18

शनीवार

आत्मा

"अनुभुती" आत्मा को होती है। और वह अभीव्यक्ती नहीं की जाती है।

बाबास्वामी

9.6.18

879

10-6-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

अनुभुती कभी भी
बाजार मे खरीदी
नही जा सकती है।

बाबा स्वामी
10.6.18

४४०
11-6-18
सोमवार

आत्मा

अनुभूति आत्मा को
केवल और केवल
परमात्मा ही करा
सकता है,

बाबास्वामी
11/6/18

881

12-6-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

प्रत्येक मनुष्य के जिवन का लक्ष्य आत्मा की अनुभुती पाना है।

बाबास्वामी

12/6/18

882
13.6.18
बुधवार

❀ आत्मा ❀

और जब तक "पाने"
की आंकाक्षा है।
तब तक अनुभुती
संभव नही है।

बाबास्वामी
13/6/18

883

14.6.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा की अनुभुती होने पर "कर्ता" का भाव समाप्त हो जाता है।

बाबा स्वामी
14.6.18

884

15-6-18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

कर्ता का भाव समाप्त होने पर सारे "प्रयत्न" छुट जाते है।

बाबा स्वामी

15/6/18

885

16.6.18

❀ आत्मा ❀ शनीवार

प्रयत्न समाप्त होने पर

ही "प्रार्थना" याद आती

है।

बाबा स्वामी

886

17.6.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

"परमात्मा" की अनुभुती भी कभी भी प्रयत्न से नहीं होती है।

बाबास्वामी
17|6|18

887

18.6.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

परमात्मा "आत्मा" के स्वरूप
मे प्रत्येक मनुष्य मे होता
ही है,

बाबास्वामी
18/6/18

889

20.6.18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

मनुष्य को बाहर की परमात्मा खोजने पर अंन्त मे "निराशा" ही हाथ आती है।

बाबास्वामी
20/6/18

890
21.6.18
गुरुवार

आत्मा

मनुष्य के 'भितर" का परमात्मा जितना पास है, उतना बाहर का परमात्मा नहीं होता है।

बाबा स्वामी
21/6/18

891

22.6.18

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

प्रत्येक मनुष्य ने अपने भितर के "परमात्मा" का प्रतिदिन एहसास करना चाहिये।

बाबास्वामी

22/6/18

892

23.6.18

शनीवार

आत्मा

प्रतिदीन परमात्मा का
एहसास आपको "परमात्मा"
सानीध्य देता है।

बाबास्वामी
23.6.18

893

24.6.18

रविवार

आत्मा

परमात्मा के एहसास के लिये हमे तो नियमीत रूप से अपने आप को "समय" देना होगा।

बाबास्वामी

24.6.18

894

25.6.18

सोमवार

आत्मा

हम है, की अपने आप को छोडकर सारी दुनीया को "समय" देते है।

बाबास्वामी

25.6.18

395
26.6.18
मंगलवार

आत्मा

और जिवन भर जिन्हे
समय देते है, वे तो
उसे मरने के बाद
कुछ घंटे मे ही
"फुंक" देते है।

बाबास्वामी
26.6.18

896

27.6.18

बुधवार

आत्मा

और शरीर को भी
फुंक देने के बाद
जो बचता है, वह
"आत्मा" है।

बाबास्वामी
27.6.18

897

28.6.18

गुरुवार

आत्मा

हमारे मरने बाद कुछ नहीं बदलता वैसे ही सुबह होगी वैसे ही शाम होगी बस हम "न होंगे"

बाबास्वामी

28.6.18

898

29.6.18

शुक्रवार

आत्मा

जब यही सत्य है।
तो इस नाशवान
शरीर का इतना
"अंहकार" क्यों है।

बाबास्वामी
29.6.18

४११

30.6.18

शनिवार

आत्मा

जब शरीर नाशवान है, तो क्यों न हम थोड़ा समय अपनी "आत्मा" को दें,

बाबास्वामी

30.6.18